# यूरिया के अलावा अन्य उर्वरकों व बीजों पर जोर देगी एनएफएल : मिश्रा

चंडीगढ़, (जसवाल): केंद्र सरकार के उपक्रम नैशनल फर्टिलाइजर्स लि. (एनएफएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज मिश्रा ने कहा कि देश में उर्वरकों के असंतुलित उपयोग से बिगड़ते एनपीके अनुपात के कारण मिट्टी की उपजाऊ क्षमता में निरंतर कमी आई है। इस असंतुलित एनपीके अनुपात को वांछित स्तर पर लाने हेतु यह जरूरी है कि मिट्टी के अनुसार ही उर्वरकों का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि इसी शृंखला में एनएफएल ने भी किसानों को कई प्रकार के उर्वरकों को उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि एनएफएल यूरिया के अलावा अन्य उर्वरकों व बीजों पर जोर देगी। उन्होंने कहा कि मूलरूप से किसान यूरिया का उत्पादन करने वाली इस कंपनी ने अपने इसी ब्रांड के तहत अन्य उर्वरकों जैसे डीएपी, एमओपी, बेंटोनाइट सल्पर बाजार में किसानों को उपलब्ध करवाना शुरू कर दिया है।

श्री मिश्रा ने बताया कि कंपनी यूरिया का 35.68 लाख मीट्रिक टन वार्षिक उत्पादन करती है, जोकि देश की कुल यूरिया उत्पादन क्षमता का 15.5 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि किसानों को सभी प्रकार के उर्वरक एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाने हेतु कंपनी ने यूरिया के अतिरिक्त लगभग 2 लाख मी. टन अन्य उर्वकरों जैसे कि डीएपी, एमओपी, एनपीके तथा बेंटोनाइट सल्फर आदि को बाजार में उतारने की योजना बनाई है। कंपनी अपे ट्रेडिंग कारोबार को भी बढ़ाने के उद्देश्य से कुछ नए उत्पाद जैसे पानी में घुलने वाली खादें, जिंक सल्फेट आदि भी किसानों को मुहैया करवाने पर विचार कर रही है।

जिन क्षेत्रों में मिट्टी में सल्फर की कमी है उसे पूरा करने के लिए कंपनी पानीपती में बेंटोनाइट सल्फर का प्लांट लगा कर किसानों को बेंटोनाइट सल्फर मुहैया करवाएगी।